

DPN 662.1

Title : दशबल तुतः व गुरुमण्डल
DASABALA TUTAH WA GURUMAN ~~D~~ALA

Run. No. 7346

Cat. No.

Micro. No.

Subject तुतः व पूजाविधि Hymn and Ritual ✓
Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 20 x 8

Folios 20

Lines (in a page) 5/6

✓
Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

B

B. गुरुमण्डल
ॐ नमो रत्नत्रयाय ॥ ॐ गुरुभ्यो नमः ३ ॥

(पूरा) complete
P.T.O

तुतः

१. सिद्धि मुनि
२. स्तुतमपि (अपूर्ण)
३. सदैं सारदा द्वि (नेपाल भाषा)
४. इन्द्रादिदेव
५. बुद्ध धर्म संघ गति दरसन यात्रा रे (नेपाल भाषा)
६. धारणी.



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ गुणानाममं गुणवद्गुणधर्मं गुणसंघनरथं
 वच गुणवज्रधनस्यैव तस्मै श्रीगुणानामम ॥ सर्वभूतहितं ॥ ॐ वं वज्र द क ई
 स्वाहा ॥ जय हि ज्ञानमायं नम्रापिता सर्वतथा हं स्वा पठ र्व्या मि भु दु दिव्य
 नवात्रिना ॥ ॐ श्री हं सर्वतथा गत अतिषक समभी य ई ॥ नमो लोकाय ॥
 ॐ ह्रीं स्वाहा ॥ मीलसहाय ॥ ॐ काय विभधने स्वाहा ॥ पूजा लथिय ॥
 ॐ नमो भगवते पूष्य क तु राज्ञा यनतथा गता या इ हं न संम्यक् सर्व

धायन इत्यथ ॥ ॐ पूष्य षष्ठ्य महाष्वि भु पूष्य पूष्य समुव पू
 ष्या वकि त्रेश्वाहा ॥ ॥ पूजा ल अनियाय ॥ ॥ स्वा न कथ
 क पानू गथिय का आसनयाय ॥ ॐ श्री हं ति षु वज आसन ई ॥ ॐ
 ॐ रव आति न ॥ ॐ सर्व पाप न पन य ई ॥ वस सन य ॥ ॐ मनि धशा व
 जी श्री महा पुति स त्रे त्र के त्र के मा ई ई ई ई ई स्वाहा ॥ सिद्ध ल म
 शु ल स ल या स्यं ध म न ति य ॥ ॐ वज गं ध स्वाहा ॥ ॐ वज नि ल क

5
हरव न स्वाहा ॥ मधुलसलंघनस्तानया क ॥ ॐ नमो द
कं हं वज्रगममय हं वज्र । तूमिभुलेखि सर्वतथागत भुवर्ग
जत्र क प्रहं ॥ नाकिः स्तानः लेखनस्य मधुलसहायक ॥
दानं गममयमं म् नो धी महि मि

नाचसहिगंभीलं वसमार्जनं कानि ह्रदं विविठिका नयनयं विद्ये क्रियास
पनं धानलूनं नमक विरुके वक्ष्ये प्रसासं वखा कलायताया वसिता यठ वनर
नरुत्वा मनिमधुलं वठुकनक वरुं सर्वलागे विमक ४ सूत्रमनूज विमि
अव वदीपिका निरधनकनक समुद्धर्त जायक नाजवं सं सगत वनगृह मि
नकायक मोन रुत्वा गडूं स वख सर्वतथागत नू धिष्ठा ना धिष्ठा सुखा रा वडा
की विम वखा रा ॥ वासा नमसां नया अकनिक ॥ ॐ वज्रसल्य सर्व विप्रानूक न

१ ॐ वज्रसल्य २

अव
सुवर्ग

ॐ ॥ खानकायाजमधुचसउयकवचिगतय ॥ ॥ हसदासध्वमवयः
नमः ॥ ॐ श्रीसध्वमववनमः ॥ ॐ संस्कमध्वमववनमः ॥ दधः ॥ ॐ यं पूर्व
विददायनमः ॥ इजान ॥ ॐ वं ऊमद्वियायनमः ॥ खडास ॥ ॐ लथयवगः
जावलियायनमः ॥ थजान ॥ ॐ वं उरुवकववनमः ॥ ऊजान ॥ ॐ याउयद्विया
यनमः ॥ खडाकाधस ॥ ॐ वाउयद्वियायनमः ॥ खडाथथकाधस ॥ ॐ लाउयद्वि
यायनमः ॥ ऊडाथथकानस ॥ ॐ वाउयद्वियायनमः ॥ ऊडाकाथकनस ॥ ॐ

यः गऊवलायनमः ॥ ऊजान ॥ ॐ वं पनखवलायनमः ॥ खडास ॥ ॐ लणः
॥ वलायनमः ॥ थजान ॥ ॐ वं लिबलायनमः ॥ ऊजान ॥ ॐ याखभनलाय
नमः ॥ खडाकनस ॥ ॐ वीमधिवलायनमः ॥ खडाथथकनस ॥ ॐ वावकन
लायनमः ॥ ऊडाथथकनस ॥ ॐ वासर्वनिधाननानमः ॥ ऊडाकाथक ॥
ॐ वं वडायनमः ॥ इजान ॥ ॐ संसूयायनमः ॥ थजान ॥ ॐ जाह्यीवजग
ववनमः ॥ दधः ॥ ॥ वायल्लयलावपडा ॥ ॐ वं ऊपूथसाहा ॥ ॐ वं

5
गच्छस्वाहा ॥ उँ वज्र धय स्वाहा ॥ उँ वज्र दिय स्वाहा ॥ उँ वज्र ने वद स्वाहा ॥ उँ वज्र ला
जाय स्वाहा ॥ **जा किल ख काया म सु ल हा य क ॥** वज्र वत्त मयं म न म ह म ल ग म प
र म लि तं ना ना वत्त म मा कि र्ण द द न रू व ज्ञा य नि ॥ गु नू या वू द्ध ध र्म शि श्र म य
श श्र त र्थे व च ति र्था त या मि ता व न मं पू र्ण वत्त म सु वं ॥ ॥ उँ आं हं गी म ह
ऊ म ल गु नू व ल व व न क म ला य म म्भ ह्ना ना व र्ण स न क वा य न म हं ॥ २ न म ह
उं न मा न म हं ॥ **हं हं हं न म म्भ मि गु न ना थ पु मि द म ॥** ॥ य स्य पु द कि द

5
नेरु व मा ल त क ल व न्न पु रा य वि क वं य द तां ध का ला य स्य उ ना वि द लो स वि
ला म म ल्थे त स्मे न म्भ कृ ति वि यं गु नू ला क ला य न मा हं ॥ ॥ उँ न मा व द्वा
य गु नू व न म ध र्मा य ना व न न मा सं घ्रा य म ह म रू थ पि स क कं न मं स र्व व ड
न म म्भ मि ध र्मा व जि न ला वि तं सं घ व सि व सं य न्न व ल कृ यं न मं मु न व ल य यं
म स व द्वां पु ति दि मा म य ॥ अ न मा द ऊ ग ल्प र्थं वू द्ध वो धो द र्ध म न्ना वा
लो म व रं जां वू द्ध ध र्मा ग र्था क म ॥ बो धि वि रु क ला म स मा य ना र्थ य सी प

सर्व २ मि १

इयं उत्यादयामियवमंवव वाधिविरुं निमनुया अहमर्वसत्वान् ॥ १ ॥
अविथ वववाधिविका वडाववयं ऊगाताहितायं दभनांसर्वयापानां पु
र्यानां वान्मादनां कृत्वपुवा संवा निष्ठा मिआर्यातां नवया पधं मया वा वन
मरुन यत्कि कित्या यमा र्जितं पुकृत्या वयसा वय यरुस्या वयमवववग
दहयं दभया मयवना था नामगुनः मि. वः ॥ कृता ॥ विदुः स्वती तं पुनिप
रूपनपूनम अरुययं मरुययं त्वनपुनिगृह्णु नायकाः नरुडकं मिदं नाथ

॥ ववपुर्थं वजिनिर्मिता ॥
॥ ववपुर्थं वजिनिर्मिता ॥

नकर्तुं वं पुनर्मया गयथा नरुथागता आर्या अर्हकः सम्यक् वद्व स्ताननव
इवकृषाजानमियम्यनितकृमलम्वं ऊ कृतिर्कयनिकायं या दभं यस्वता
वं यल्लक्रुहं यया धर्मतया संमिद्यं नरुथा ममानन समानकालं लोकस्य दुः
खकृत्स्वाद्यय ॥ १ ॥ कर्तुं कर्तुं सदा उमकिरुमप्रकासं यथेवता नाद
इमता नूस्मतिमागता वापृथक् ताया ममपासका वा सर्वप्रकाशं ऊगाता
दिताय कुर्यान्मि ऊ वं सुखसंहिताय ॥ ॥ ॥ ॥ वलिसलंरय नया ॥

॥ वलिसलंरय नया ॥
॥ वलिसलंरय नया ॥

ॐ। ५ वसु क लक्ष्मी गोपिपाविन
मि व ग न न म ५५ आ प्र व ग म

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

15
 अथापि विवाहनाशियश्च ॥ १० ॥ नरुताधियतिश्च द वा उ ई व डार्कः
 पितामहश्च द वा समस्तौ व यश्च नागधवाधवागुष्मग ॥ ११ ॥ समस्तौ ४ पुः
 तिश्च कनिवद यश्च ॥ स्वकस्तकाश्चेवदिमामरुताग ॥ १२ ॥ दुष्टोतगदम
 ॥ समस्तौ सपुत्रमिहः ॥ स्वजनसमताः ॥ यूप्यं व विपुष्यं न व दमं ॥ १३ ॥
 ऊर्ध्वजिष्णुपिवतु व दं ॥ १४ ॥ दं व कर्मासक लं ॥ १५ ॥ गंडुः ॥
 १०
 सावत्तययाय व नु व ऊ पा न य व ऊ म हा का द य म हा द डो क ट र

१५
 व वा य अ सि म स ल य व म पा म ग दित द ला य अ म त क उ लिख व
 स्वादिश ति १ व १ ध १ द न १ द १ प व १ ग १ र वि स्त द य १ म हा ग
 द य ति जि वि तां ध का वा य व पृ षा य हं हं रू द स्वा दा ॥ ॥ पृ षा य
 हा व पू जा वा जा य ॥ ॥ ध न स थ पु मा न ध द व पू जा ॥ पृ थ व प
 ग च ने व श दि प रि त्या दि प जा ॥ स क रू क जा य या य ग स ना क ल ॥
 उं क णा व स र्व स त्वा र्थ दि सि द त्वा ग रू चं व द वि ष य पू न ला य ग म न्ता
 ॥ १६ ॥ अ न १

यैवकुमयुलंम॥ ८०॥ सर्वेनपांयाधुवानाकल्यानांममलंरुव
कुसर्वदाकालंयुतं॥ ॥ ८०॥ ॥ १३३नमायद्याय॥ सिद्धिमानिपन
पादपंकज्याधमधामुविचिनकंरयाधिमवमहासलस्ययहयैलनमानिहं॥
॥ धर्मधामुध्यानमोदकाइगोनइध्विनाशनं॥ सायकनानितगजागनस्ययंर
चखपकासिगां॥ १ ॥ गुणयद्रुगंरुदगुगियनामयद्रुगिगिलनवाहंनंर
वदकुनलमहंरुगिगिगमयद्रुगिगिविजुता॥ २ ॥ विपनविगिगिगमहाय
सिलविमगमयसगंदिनंरमांलिनिकनसगंदकहासदिधकसमसाहंनं॥

३ ॥ संपादयमानशसमरुगेलतमयद्रुगिगिगिगंरुदिगन्यकसलद्रुविग
नालस्ययंरुयलानिवांरिगां॥ ४ ॥ धयलपपस्यककनयनासजाविजा
गलावनमंरुनशवुवगुलमृनिनीनलपिनलकपकालसंक्रापिनं॥
५ ॥ नानाकसमवहृगिगिगंरुगिननयपसुगिगिगंरुनरुसकनागक
सलपकनालमनाहलं॥ ६ ॥ नागगधवृयक्रुदिननगसुतमृनिदिगुवा

5
सि नं रं पुन्यत् सो मा कृ वादि नूति वि धं ज प हल धा वि नं ॥ १८ ॥ ४
मी मी गि न त्वे गी वे नू म र्दे दे व न मा ग न रं द्वा द सा कृ न को ध ना र्थ
ध म धा नु वा गि स नं ॥ १९ ॥ आ न्ति का त न सा ध ना र्थ पंच पू ले नि वा सि
नं रं म हा मा त्रि सी त्र ना र्थ रि दू रि कृ वा न पु सा नि के ॥ १० ॥ अ र्थ ना मा
के ल ना ग म वि लिं ग ठ व के न के नं चा नू गि त्रि व नू कृ ली न र्थ रु

5
नि न ग ध त नि वि कृ मं ॥ ११ ॥ ~~यथा~~ ॥ पूर्व दि स द ठ नि र्थ
रु न का स म नू रु वं र वा ग म नि वि रि न ना स नू रि ना म नि न दि क
नि र्थ ॥ १२ ॥ के स स म ~~उ~~ नि के स ~~क~~ प नू क ला त नि न दि स ग
नं र ~~क~~ द्वा रु न द नू सं ष द्वा नू नू र ना म पु रि नि के ॥ १३ ॥ अ नू न रं
प द्वा पु न्ना वा गि स नं गु फ र्ग नि नि कृ द नं रं ल कि न न र नू र्थि रु रु न दं मा कृ स न्ना
व नि पा नू वं ॥ १४ ॥ नि धि म धा नू गि न स मा क ॥ १५ ॥ ~~॥~~ ॥ न म वृ धा य

३२

ॐ वज्रसत्त्वसमयमनुपालयवज्रसत्त्वननाप्रतिष्ठा इत्यमर
वसुधा धाम मरुवसुधा धाम वज्रनूत कामरुव सर्व सिद्धि मे
पुच्छ सर्व कर्म सुविभक्ति लोचने क्रूर हृद हृद हृद हा र ग
वनं सर्व न था गगन वज्र मा भ मंच व डि रा व महा समय सत्त्व
आष्टा उ नमा रुगा व न अ य न मि सा य ग्मान स वि नि चित्त न जा ना जा य
न थ गा गा या इह न सं म स्त व धा या न द धा उ य न आ दा य न्य अ य न

मिगयने अयमि मायप न इध अं मा नायायि न उं । सर्व अक्ष कलियने
सूक्ष्म धर्म गत गगन सम गत स्व हा वा वि सूक्ष्म मा हानय पयि वा न सा हा उ
उं स्व हा वा वि सूक्ष्म ॥ उं न मा मरु ग्री य स्वा हा उं न मा मरु ग्री य स्वा हा उं न मा
रु म ग्री य स्वा हा उं आ हं न मा सर्व त धम गत काय वा क वी त पू श्रा प
स्मा या रु मान नि आं त या मि न मा सर्व त धम गत काय वा क वि त अ
धि नि स्तु मां र धं तु स्वा हा

विष्णु कायन के रुके उ विरुचन हिरुके रु निज नाशान रु तु समशु
विहृन नावु लेन नगमन मिल ॥ य भव न ॥ २ ॥ अ सुन सु नग नाना
शोग रुसा ग रुय सक न रु अन था गा लोक सिध के भ द सा पि न मन रु
आ ना अ रु यो नि सीयं रु ॥ य भव न ॥ ३ ॥ उ द य मि नि न रु क्ता वि नु म
रु रु ना म नि मि न मि क ल रु का व रु ने का यु जा ना व वि रु दे म द ल रु ले

सर्वथीसायिसूक्ष्मा ॥ दशवल ॥ ४ ॥ दिवदलस नयाद्भित्तनसीस
 सांका रं ॐ नं ॐ अलरु न्यासर्व च दामनि रं अविग नमदनाग भवथा सा
 यिष्ठु श्री ॥ दशवन ॥ ५ ॥ यवत रं कयतु र्मुषाद सादा च असा र्गयान
 यमक नाया सास विदुषु असा र्गमलकमल यानि सायिव द्वायिष्ठु श्रीः
 ॥ दशवन ॥ ६ ॥ हिम गिनि सिध्वा रं हसर्व रं र्क्षाय विस्ति निवयन

हनद क्रो वाद्यु चर्मन नियम र्गिनि अमय ना सायि सुता नि सुनि ॥ दश
 वल ॥ ७ ॥ क्षानि नकु नि सया धि इरु या दान अता सुनय निन यि स्या
 दिरु म मध्य दि र्वा अ नि सनि सिध्वा रं सा कामय का विम र्गना ॥ दशवन
 ॥ ८ ॥ कूर्व लया दन निनय र्गु नि काय ना र्ग सुन यि यव न रं ना विष्ण
 क्रिनि ष्वरु यि र्ग निन यि विन सु र्गा रं र्वा सुन र्का ॥ दशवन ॥ ९ ॥

क्षात्रितरुनकनाथात्रकनामात्रनाक्षायसूयनिजयिकानसंमलगत
 दक्षसमलसहालिनाएतसायिसूयक्षनासादसवगा॥ १० ॥ हिमस
 सिक्कमदालमध्ययानात्रनाक्षायधकचिनरुनासमलायुनसात्रिह
 सावलं सुदिनसात्रअनिक० ज० ॥ ११ ॥ गङ्गमूयद
 सनिकसर्वथविनर्ककाश्विगनमदवात्रिषष्टक्षयिकगद्युषागनय



तिनयिस्सुधावात्रनियानमस्तु॥दशवत॥ १२ ॥ जगन्मिकुसुमनिगच्छन्
साक्षिकेनैव नञ नविनभयम्मास्तुभोकावहदागिनयनननयानिस्त
यिष्ठुद्धाकुमाला॥दशवत॥ १३ ॥ जसुनवसुनहिनानिस्थकागमन्
नाकावहविविधविधानायुनवर्द्धदहउहयगनिनिहिनाम्पिना
गनायिस्सुधा॥दश॥ १४ ॥ निषययिस्सुमस्तुभावसविद्यागिगाद्याकन

51
कनरुविस्तिथायासयानिकअगमयिअतिअगनसर्ताङ्कमाहिर्ताङ्कयिस्
क्रादभ ॥ ११ ॥ अमलरूनकृशत्रयकृष्टिगिंधानगिंधादिद्विरवि
यगनवाला कयानागधनेयिअतिअगनसर्ताङ्कनिधिनीनयिस्का
॥ दभ ॥ १७ ॥ अरुद्धलधिचिमरमा मोरुक्काना रुनीयिमरुनिकयितरु
नायालस्मीनामाधरिंलासमभुवरुलहिनावागिसीनयिस्का ॥ दभ

50
५॥ ११ ॥ अग्नानिदनचननमसुयिस्कातृक्कसविमानसयनविष
यायधनेकात्रेसुलसुतरुनेयानिअहमानेकार्गुयभनननेअनन
मातुनसे ॥ १६ ॥ तिथ्यकुरमकनसतानियिअनुनसेनिनिवजनि
नसताङ्कयानमातुनसे। नद्यमनिकयिसनेनयिस्कातुनसेनदियन
युननिनयुनसागनसे ॥ १७ ॥ सुयुगननविकसिअनमिदुचः

॥ १ ॥ सलसलति नमो ॥ सुद सा त कोटि नसि पाइ का पाव न क प्र काल न सात
 धा या ॥ ५ ॥ द का सा उ विद्या विष्णु नन न निज तोटि क वानी विष्णु शोध
 हान किमु लिमसा उ सम द्रुमाना अत्र क क पिदु मरु य पक्ष न ॥
 ॥ १ ॥ गुण द श्री द वीह गु री न या ती मू नि वा स आ मि द का पा वि
 मा ना ॥ अनी लिन गु म नी हू रू कि लि थि कि ख या प्र रा ड्य प्रू ड ला
 सा स धा कला च न्द मा क मि ले ख ने हा था मि र वा डि समाना म द ला था ॥

॥ २ ॥ मू गु दू जला या प्रता व न्द न न न पा क डल ह न स
 या ना त ज ह ला गलि मा नि या मा त न व न त्रा क म रू अ द मा रा आ म् व न था न
 ॥ ३ ॥ स द ह स स द ह म मा मा शो ह पा लि दि ले रु यी व डल या न सा न का त
 ला द का सा क प्र क डू रु शो डि न प्र थ या ग मा न ध क ना मा स त ॥ ४ ॥
 द का कि न ला अ स ता ह ल ला री ड तौ ड न ग ता दि या रू रु न
 स ॥ गू द मा दि वा आ था मि रू न था त नि त नि ती दा ले धा ध ता

मादध ॥ ७ ॥ भूनिना तदादिरु का न तं या नं कया

पुंहुदिताय तान क सा ॥ मरु जि मरु न जि नया प मा न ॥ ८ ॥

ति नान ॥ ता ड ति मा ट्टि ना म ॥ ९ ॥ मि ॥ ल ल ति मा म सा क

ग वा वि म ग ति वि म नू म कि र यानि ॥ वि क र ति मा म थ प्प ना

॥ या फ्फा मा ल ल पा का द का पू लू ता म् ॥ १० ॥ नि ग्ग ठं द थ

मा क्क ना मा म ना सं कु ज या ल थ ॥ ११ ॥ ना प ॥ म र ॥ पू म ना थ

पू म ना थ ॥ ना द न क का डि ता मि धि वि घा ट्टि पा ति र क दा ॥ १२ ॥

थ मि ल क ॥ ल वी ल मि ह न य ग्ग जू त ॥ ग्ग ट्ठ त ल ० मि थि क्क

था प्प ॥ ग्ग ट्ठ ता क्क ॥ लू ति जि मा दा वा ग यानि ना ॥ ग्ग मा प्प ता ॥ १३ ॥

॥ १४ ॥ ग्ग ट्ठ ता ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥

ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
वधाय ॥ ॥ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
तव नमः यत् तव नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
॥ सर्वव्याधीना विष्णोः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
॥ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥

न ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
मंगलाय ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
मंगलाय ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥
सर्वव्याधीना विष्णोः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥

॥ न सा जदा ॥ ३ ॥ ज्ञानि ज्ञाने स विष्णु न क आश्रये विष्णु निम नाद जत्वा
लि न विष्णु स्वाय ॥ नि लाय जाय न विष्णु न स विष्णु ॥ न सा जदा ॥ ४ ॥ स सा
ज सा ज दय ना न व स य स नाः द वा न जा ज व स जा वि क किं न जा नां ॥ य का म
नी य ध न वा न न सिद्धि ज ना ॥ न सा जदा ॥ ५ ॥ क र्प न य म य विष्णु नि
न नं वा जा दीः य म्य स वा ज्ज रु न व द न य किं ना नि ॥ नि न्य य म्य स विष्णु ना न द

मकराव ॥ न साजदासक ॥ ३ ॥ संयुक्त कोष नव क्रयसाजदासया नाम
 धर्मिदसा नययानि नानि ॥ मन्त्रादि वा क्रय न क्रयि विव न सर्वयनी ॥ न साजदा
 ॥ १ ॥ वद्व कयम न वरुदि न सगु जा क्रत वा धसाध क न ना सग नीत्व म व
 त्व ह्य न गम्य र वद र्वी वि ना स का जि ॥ न साजदासक ज सि हि सदा न सा म
 ॥ ४ ॥ नि साजदासक ॥ ५ ॥ न साजदासक ॥ ६ ॥ न साजदासक ॥ ७ ॥
 न साजदासक ॥ ८ ॥ न साजदासक ॥ ९ ॥ न साजदासक ॥ १० ॥

15

10

१॥ गगनो चांलेः॥ इध धर्म धर्म गति द न सन पायन ॥ इम धर्म इम धर्म सु धर्म
 वाहन अवे को धर्म मणि गति न्यो अम सार पाहिमाल मा डनेने ॥ इध
 १॥ हे पुत्र वे इ अम स गड वाहन अवे को धर्म मणि गति न्यो अम सार
 उन आकास पाडने ॥ इध ॥ २॥ द धि न इ अल सः उ न ग वाहनः अ न
 स एवे मणि गति न्यो अम सार पाडने उ व नु मा डनेने ॥ इध म ३ ॥ य धि
 म इ अल स म र न वाहन अवे मणि गति न्यो अम स

5

मारुप दिं तु तिया डनेने ॥ इध ॥ ४ ॥ उ न इ अल स ग र द वा
 हिने अमो धा सि दि गति न्यो अम सार डनेने लि षा धा न य
 नेने ॥ इध ॥ ५ ॥ का क म अ ना धा अ न य प न का स म ल्यः अ म
 यो य लो क स न क र न ग मा श इध धर्म स धर्म गति द न सन पा
 यन